>

Title: Regarding increase of bus fares in Andaman & Nicobar Islands.

श्री विष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह): महोदय, अंडमान निकोबार द्विप समूह में आम आदमी की सरकार नहीं है। वहां लोकशाही नहीं है। वहां तानाशाही चल रही है। अगस्त महीने में अंडमान निकोबार प्रशासन ने ऐसा बस किराया बढ़ाया, सरकारी बस किराया बढ़ा दिया गया जो भारत के लिए विरल होगा, एक नई चीज होगी। उदहारण के लिए मैं कहता हूं कि वर्ष 2003 में अंडमान ट्रैंक रोड, पोर्टब्लेयर से डिगनीपुर तक एक ही रोड है जिससे लोगों को आना-जाना पड़ता है। वर्ष 2003 में सरकारी बस किराया 100 रूपया था और वर्ष 2011 में उसका किराया 230 रूपया कर दिया गया। पिछले आठ साल में सरकारी बस का किराया 100 रूपये से बढ़ाकर 230 रूपये कर दी। अभी हाल में क्या किया कि स्टूडेंट्स का जो फेयर था उसमें बढ़ोतरी कर दिया गया। गारचार से पोर्टब्लेयर तक मामूली सात किलोमीटर की दूरी का बस किराया 7 रूपये था अभी उसे बढ़ाकर 13 रूपये कर दिया है। आप सोचिए कि जो बच्चे प्राइवेट स्कूल में पढ़ते हैं उन्हें स्कूल जाने में 13 रूपये और आने में 13 रूपये लगते हैं। क्या यह संभव होगा? सीनियर सिटीजन के लिए भी बुरा हालात हैं।

सभापति महोदय : कृपया आप मांग रखिए।

श्री विष्णु पद राय : यह बड़ी दुख की बात है कि सरकार कहती है कि यह आम आदमी की सरकार है, मजदूर की सरकार है। मैं उदाहरण देना चाहता हूं कि मजदूर व्यक्ति उम्बरलिगंज से बांबुफ्लैट आएगा। वह बांबुफ्लैट से बोट पकड़ेगा। बोट पकड़ कर, बोट का किराया देगा। फिर वहां से काम करने के लिए प्रथरापुर जाएगा। एक मजदूर आदमी का आने-जाने में बोट और बस का किराया लगेगा 100 रूपये तो मजदूर क्या कमाएगा? क्या यह लोकशाही हैं? पहले अंडमान निकोबार द्वीप समूह में थोड़ा-बहुत लोकशाही था। मैं अनुरोध करूंगा कि एक एलजी का एडवायजरी कमेटी होती है, होम मिनिस्ट्री की एक कमेटी होती है, पीआरए का मेम्बर होता है, एमपी होता है, वे तय करते हैं। अभी नया आ गया तानाशाही जो अन्ना हजारे के ऊपर कांग्रेस चला रही है। वह अंडमान में शुरु हो गयी। वह कमेटी है स्टेट ट्रंसपोर्ट अथॉरिटी, इसके कौन-कौन मेम्बर हैं - आईजीपी, डायरेक्टर (ट्रंसपोर्ट), मैकेनिकल इंजीनियर ट्रंसपोर्ट, डायरेक्टर ट्रंसपोर्ट, एसपी जो जिन्दगी में बस में नहीं चढ़ा। उनकी तनख्वाह लाखों रूपये हैं। उन्होंने बस किराया बढ़ा दिया। मैं मांग करूंगा कि तुंत बस किराया वापस ले। आखिर में मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि अंडमान गेस्ट हाउस, निकोबार प्रशासन का गेस्ट हाउस तमिलनाडु, कोलकाता और दिल्ली में है। हमारे द्वीप के लोग इलाज के लिए इन गेस्ट हाउस में जाते थे और रह कर इलाज कराते थे।

सभापति महोदय : आपका एक ही विषय आएगा, दूसरा विषय नहीं आएगा।

श्री विष्णु पद राय : यह हमारे इश्यू में है। यह राइटिंग में है, केवल दो मिनट लगेगा। हमारे तमीलनाडु, दिल्ली और कोलकाता नॉन एसी गेस्ट हाउस का 80 रूपया किराया था उसे बढ़ा कर 400 रूपये कर दिया गया।

एसी रूम का किराया सौ रुपये था, लेकिन उसे बढ़ाकर एक हजार रुपये कर दिया गया। ...(व्यवधान) बाकी राज्यों के जो गैस्ट हाउस दिल्ली में हैं, उनका मामूली किराया है और उनमें बढ़ोतरी भी नहीं हुई है। ...(व्यवधान) मैं मांग करता हूं कि गैस्ट हाउस का जो किराया बढ़ा दिया गया है, उसे कम किया जाए। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : अब आपकी कोई बात रिकार्ड में नहीं जाएगी।

...(व्यवधान)*